



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 6, 2011/पौष 16, 1932

No. 18]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 6, 2011/PAUSA 16, 1932

विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 2011

का.आ. 18(अ).—जबकि मैसर्स श्री सीमेंट लिमिटेड, आवेदक, जिनका पंजीकृत कार्यालय बांगर नगर, पोस्ट बॉक्स नं० 33, ब्यावर-305901, राजस्थान में है, ने श्री सीमेंट पारेषण लाईन के ब्यावर उत्पादक केंद्र के स्विचयार्ड में पीजीसीआईएल की 400 केवी कोटा-मेड़ता डी/सी लाईन के एक परिपथ के अंतर्-राज्य समर्पित एलआईएलओ बिछाने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत अनुमोदन हेतु आवेदन किया है।

और जबकि, भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय ने पत्र सं० 11/2/2010-पीजी के द्वारा 19.8.2010 को श्री सीमेंट के ब्यावर उत्पादक केंद्र के स्विचयार्ड में पीजीसीआईएल की 400 केवी कोटा-मेड़ता डी/सी लाईन के एक सर्किट की एलआईएलओ समर्पित पारेषण लाईन स्कीम को बिछाने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 68 के अंतर्गत मै० श्री सीमेंट लिमिटेड को अनुमोदन प्रदान किया था। उक्त विषयक उत्पादन परियोजना को पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) की कोटा-मेड़ता 400 केवी डी/सी लाईन के एक सर्किट के एलआईएलओ के माध्यम से संयोजकता दी जाएगी। एलआईएलओ कार्य आवेदक द्वारा करवाया जाएगा।

और जबकि, आवेदक ने अब विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत वे सभी शक्तियाँ उसे प्रदान किए जाने का अनुरोध किया है जो सरकार द्वारा स्थापित अथवा अनुरक्षित करने अथवा कार्यों के लिए स्थापित अथवा अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनें तथा खंभे लगाने के संबंध में, भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास हैं। स्कीम के अंतर्गत शामिल 27,737 किलोमीटर की पारेषण लाईन निम्नलिखित गांवों, नगरों और शहरों में से, उनपर से, आस-पास से तथा बीच से होकर गुजरेंगी:-

जिला अजमेर (राजस्थान)तहसीलमसूदागांव

अंधेरी देवड़ी, गेंदासमपुरा, नीमगढ़, गुणवर्दी, बनेटा का बरिया (जनेटा का बरिया), झुंझरन का बरिया (सरकाना), खेतखेड़ा, कानाखेड़ा, केसरपुरा, कुंडिया, सयानिया, काशीपुरा, सूरजपुरा, खारवा, गुवरिया, देवपुरा ।

तहसीलब्यावरगांव

पकाड़ियावास, खरानीखेड़ा, सुहावा, रतनपुरा, लखाना

तहसीलपिसनगसगांव

रुंदलसी, गंगरा (ए), अमरगढ़, गोपालपुरा, पबुथन, रामपुरा, रायमल, गंगरा (बी), लीरी, नीमडीथला, अंसारी, मोरमागढ़ी, बीराकेन्यावास

इसलिए, अब, सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात्, भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत, अंतर-राज्यीय विद्युत पारेषण के लिए, अन्तराज्यीय पारेषण लाइनों हेतु उपर्युक्त उल्लिखित संस्थापना के लिए निम्नलिखित शर्तों एवं निबंधनों के अधीन, सरकार द्वारा स्थापित या देख-रेख या इस प्रकार स्थापित या देख-रेख किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनों और पोस्ट लगाने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास जो शक्तियां हैं, उन सभी शक्तियों को आवेदक को प्रदान करता है अर्थात:-

- (i) अनुमोदन 25 वर्ष के लिए प्रदान किया जाता है;
- (ii) आवेदक को प्रस्तावित लाइनों के निर्माण से पूर्व, संबंधित प्राधिकरणों अर्थात् स्थानीय निकायों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग आदि की सहमति प्राप्त करनी होगी;
- (iii) आवेदक को पारेषण, ओ एंड एम, खुली पहुँच आदि के संबंध में उपर्युक्त आयोग के विनियमों/संहिताओं का पालन करना होगा ।
- (iv) आवेदक को श्री सीमेंट पारेषण लाइन के ब्यावर उत्पादक केंद्र के स्विचयार्ड में पीजीसीआईएल की 400 केवी कोटा-मेड़ता डी/सी लाइन के एक सर्किट के अंतर-राज्यीय समर्पित एलआईएलओ को बिछाने का दायित्व सौंपा गया है । इस लाइन का ब्यौरा 15 मई, 2010 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है ।
- (v) आवेदक संबंधित राज्यों के मुख्य वैद्युत निरीक्षक के अनुमोदन के पश्चात् लाइनों का प्रचालन करेगा ।
- (vi) यह अनुमोदन विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और उसके अंतर्गत बनाई गई नियमावली की अपेक्षाओं का आवेदक द्वारा अनुपालन किए जाने के अधीन है ।

[फा. सं. 11/29/2010-पीजी]

अरुण कुमार, निदेशक

MINISTRY OF POWER

ORDER

New Delhi, the 3rd January, 2011

S.O.18(E).—Whereas M/s Shree Cement Limited, the applicant, with its Registered Office at Bangur Nagar, Post Box No. 33, Beawar 305901, Rajasthan, has applied for approval under Section 164 of the Electricity Act, 2003 for laying of inter-State dedicated "LILO of one circuit of 400 kV Kota - Merta D/c line of PGCIL at Switchyard of Beawar Generating station of Shree Cement transmission line.

And whereas on 19.8.2010, vide letter No. 11/2/2010-PG, the Government of India, Ministry of Power, had granted to M/s Shree Cement Limited, approval under section 68 of the Electricity Act, 2003 for laying of dedicated transmission line scheme "LILO of one circuit of 400 kV Kota - Merta D/c line of PGCIL at Switchyard of Beawar Generating station of Shree Cement". The connectivity to the subject cited generation project would be through LILO of one circuit of Kota - Merta 400 kV D/c line of Power Grid Corporation of India (PGCIL). The LILO work would be carried out by the applicant.

And whereas the applicant has now requested to confer upon him all the powers under section 164 of the Electricity Act, 2003 which telegraph authority possess under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained for the works. The transmission line of 27.737 km covered under the scheme will pass through, over, around and between the following villages, towns and cities :-

District Ajmer (Rajasthan)Tehsil :

Masuda

Villages

Andheri Deori, Gendarampura, Nimgarh, Gunwardi, Baneta Ka Bariya (Janeta Ka Bariya), Jhunjharan ka Bariya (Sarkana), Khetkhera, Kanakhera, Kesarpura, Kundiya, Sayania, Kashipura, Surajpura, Kharwa, Guwariya, Devpura

Tehsil

Beawar

Villages

Pakariyawas, Kharanikhera, Suhawa, Rantanpura, Lakhana.

Tehsil
Pisangan

Villages

Rundalsi, Gangara (a), Amargarh, Gopalpura, Pabuthan, Rampura, Raymala, Gangara (b), Liri, Nimarithala, Ansari, Mormagari, Birakenya Vas.

Now, therefore, after careful consideration, Government of India, Ministry of Power, confers, under section 164 of the Electricity Act, 2003, all the powers on the Applicant which telegraph authority possesses under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained subject to following terms and conditions for installing the above mentioned interstate transmission lines for interstate transmission of electricity, namely:-

- (i) the approval is granted for 25 years;
- (ii) the Applicant shall have to seek the consent of the concerned authorities i.e. local bodies, Railways, National Highways, State Highways etc. before erection of proposed lines;
- (iii) the Applicant shall have to follow regulations /codes of the appropriate commission regarding transmission, O&M, open access etc;
- (iv) the Applicant has been entrusted with the responsibility of laying of inter-State dedicated LILO of one circuit of 400 kV Kota – Merta D/c line of PGCIL at Switchyard of Beawar Generating station of Shree Cement transmission line. The details of the line are published in the Gazette of India of May 15, 2010.
- (v) the Applicant shall operate the lines after approval of Chief Electrical Inspector of respective States;
- (vi) the approval is subject to compliance by the Applicant to the requirement of the provisions of The Electricity Act, 2003 and the rules made thereunder.

[F.No. 11/29/2010-PG]

ARUN KUMAR, Director